केसीसी लोन के लिए बैंकों को भेजा गया 21745 किसानों का आवेदन

- जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में बैठक कर किसानों का आवेदन जेनरेट करने के बाद बैंकों को भेजा गया है.
- केसीसी से लोन मिलने पर किसानों के पास खेती-बारी के लिए पूंजी का अभाव नहीं होगा : डीएओ

प्रतिनिधि, गुमला

गुमला जिले के किसानों को केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) देने के लिए कृषि विभाग रेस है. कृषि विभाग ने गुरुवार को जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में बैठक कर 21745 किसानों का केसीसी आवेदन जेनरेट किया है. विभाग ने आवेदन जेनरेट करने के साथ ही किसानों को केसीसी से लोन देने के लिए आवेदनों को विभिन्न बैंकों में भी भेज दिया है.

इस निमित्त गुमला में सदर प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित टीपीसी भवन में जिला कृषि पदाधिकारी (डीएओ) अशोक कुमार सिन्हा ने बैठक की. बैठक में बीटीएम, एटीएम एवं जेएसएलपीएस की दीदियां शामिल हुईं. इनके माध्यम से सदर प्रखंड के 2489 किसानों से प्राप्त केसीसी कें आवेदनों की जांच की गयी. जांच के बाद बाद सभी आवेदनों को विभिन्न बैंकों में भेजा गया. डीएओ ने बताया कि अभी खरीफ मौसम है. इस मौसम में छोटे-बड़े सभी किसान अपने खेतों में खरीफ के धान, दलहन, तेलहन के विभिन्न प्रकार की फसलों की खेती करते हैं. प्रायः किसान धान की खेती करते हैं. जिले में धान की पैदावार भी अधिक है. परंतु कई किसान ऐसे भी हैं. जिनके पास पूंजी का अभाव रहता है. पूंजी के अभाव के कारण किसान समुचित रूप से खेती-बारी नहीं कर पाते हैं. ऐसी स्थिति में केसीसी से मिला लोन किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है. किसानों को खेती-बारी में पूंजी का अभाव न हो, इसके लिए उपायुक्त गुमला के निर्देश पर जिले के किसानों का केसीसी तेजी से बनाने का काम किया जा रहा है. बीटीएम, एटीएम एवं जेएसएलपीएस की दीदियां गांव-गांव घर-घर घूम कर किसानों से केसीसी का आवेदन जमा करने का काम किया है. जिन किसानों को आवेदन भरने में परेशानी होती थी. वैसे किसानों का आवेदन भी कर्मियों ने ही भरा है. जिले भर कुल 21745 किसानों से आवेदन प्राप्त किया गया था. आज सभी आवेदनों की अच्छी तरह से जांच के जेनरेट करने के साथ ही लोन के लिए बैंकों को भी भेज दिया गया है. डीएओ ने बताया कि सदर प्रखंड गुमला से 2489, रायडीह से 2021, चैनपुर से 2256, डुमरी से 2021, जारी से 385, पालकोट से 1763, बसिया से 1719, कामडारा से 1125, सिंई से 1558, भरनो से 2215, घाघरा से 3062 एवं बिशुनपुर प्रखंड से 1131 किसानों का आवेदन विभिन्न बैंकों में भेजा गया है.

कार्यक्रम में अधिकारी.

Scanned by CamScanner

में चिपकता नहीं और इसकी आदत भी नहीं बनती।

24x7 Helpline: 91197 88888 · www.petsaffa.com

35 किसानों के बीच केसीसी लोन का वितरण

सिसई. प्रखंड सभागार में प्रखंडस्तरीय केसीसी मेगा कैंप का आयोजन हुआ. इस दौरान कुल 1558 प्राप्त आवेदनों में 35 स्वीकृत लाभुकों के बीच कुल 13 लाख 51 हजार रुपए का केसीसी ऋण का वितरण किया गया. मौके पर जिप सदस्य विजया लक्ष्मी उरांव, प्रमुख मीना देवी, उप प्रमुख निलेश उरांव, सभी पंसस, बीटीएम शशि शमा खलखो, बींएओ, एटीएम, सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक, जेएसएलपीएस बीपीएम रिजवान, जेएसएलपीएस दीदीयों सहित कई किसान मौजूद थे.

ता
ांव, उम्र
हनावा:
पेंट और
फ शर्ट
हैं. ये
22 को
बजे घर
और
आये.
सज्जन
:
146

…ाशी'

किसानों से प्राप्त केसीसी के आवेदनों के धान, दलहन, तेलहन के विभिन्न अभाव के कारण किसान समुचित रूप कि

हुआ. इस
लाख 51
य विजया
एम शशि
एलपीएस
एलपीएस
ौजूद थे.

घाघरा में 3062 किसानों ने केसीसी लोन मांगा

घाघरा. प्रखंड कार्यालय परिसर में केसीसी लोन हेतु शिविर लगाया गया. शिविर में 3062 लोगों ने केसीसी लोन के लिए आवेदन दिया. बीडीओ विष्णु देव कच्छप ने बताया कि झारखंड सरकार के निर्देशानुसार पूरे झारखंड में आज के दिन केसीसी के लिए शिविर लगाने का निर्देश मिला था. जिसके आलोक में शिविर लगाया गया है. सरकार के द्वारा गांव के किसानों को केसीसी लोन देकर आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ-साथ अच्छी फसल में सहायता पहुंचाना ही मुख्य उद्देश्य है. मौके पर सीओ प्रणव ऋतुराज, बीटीएम इंद्र प्रताप पांडे, सुशील टोप्पो, मनोज सिन्हा, खुदीराम उरांव, अमित भगत, नवल किशोर जयसवाल, बैंक ऑफ इंडिया, ग्रामीण बैंक व कॉपरेटिव बैंक के मैनेजर उपस्थित थे.

Scanned by CamScanner

चौधरी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

जारी में केसीसी मेगा कैंप का आयोजन

कार्यक्रम में अधिकारी.

जारी. प्रखंड सभागार में सीओ रेशमा रेखा मिंज की अध्यक्षता में केसीसी मेगा कैंप लगाया गया. जिसमें किसानों को केसीसी ऋण के विषय में विस्तारपूर्वक बताया गया. वहीं एसडीओ प्रीति किस्कू ने केसीसी के 29 स्वीकृत केसीसी सर्टिफिकेट का वितरण किया गया. एसडीओ ने कहा कि आप लोग केसीसी लेकर अपने आय को बढ़ाये. केसीसी ऋण लेकर आप खेती-बारी करें केसीसी से प्राप्त रुपये को गलत तरीके से खर्च न करें. सभी रुपये को खेती-बारी मे लगाये और अपने आय को दोगुना करें. मौके पर बीटीएम बेरोनिका तिर्की, नागेंद्र उरांव, अंचलकर्मी तथा किसान मौजूद थे.

Scanned by CamScanner

में गेंदा फूल लगाने का कार्य शुरू किया जायेगा. मौके पर शशांक शेखर पांडेय सहित कई लोग उपस्थित थे.

83 किसानों का केसीसी ऋण स्वीकृत

भरनो. प्रखंड कार्यालय सभागार में गुरुवार को मेगा केसीसी ऋण वितरण शिविर का शुभारंभ सीओ संजीव कुमार, जिप सदस्य जेंगा उरांव, उपप्रमुख व सभी पंचायत के मुखिया ने दीप जला कर किया. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, झारखंड ग्रामीण बैंक एवं सहकारिता बैंक के द्वारा प्रखंड के 83 किसानों के बीच कुल 33 लाख 20 हजार रुपये का केसीसी ऋण स्वीकृत किया गया. साथ ही अन्य 150 किसानों का केसीसी ऋण के लिए आवेदन भरा गया. मौके पर मुखिया शांति उरांव, सुकेश उरांव, विनीता एक्का, मीरा उरांव, पंची उरांव, बीटीएम पंकज कच्छप, जनसेवक संजय प्रकाश, दिलीप मिश्रा सहित सभी बैंक के प्रबंधक एवं किसान उपस्थित थे.

Scanned by CamScanner

उरांव, पंची उरांव, बीटीएम पंकज कच्छप, जनसेवक संजय प्रकाश, दिलीप मिश्रा सहित सभी बैंक के प्रबंधक एवं किसान उपस्थित थे.

101 किसानों का आवेदन स्वीकृत

बसिया. प्रखंड परिसर में गुरुवार को सीसी मेगा कैंप लगाया गया. कैंप में 366 नये आवेदन किसानों द्वारा भरा गया. जिसमें 101 किसानों के आवेदन स्वीकृत किये गये. मेगा कैंप में कुल 43 लाख 25 हजार रुपये राशि के केसीसी ऋण का वितरण किया गया. मौके पर बीडीओ रविंद्र गुप्ता, सीओ रविंद्र पांडेय एलडीएम, सभी बैंकों के मैनेजर, अंचल निरीक्षक, कर्मचारी, जनसेवक पंचायत सेवक उपस्थित थे.

Scanned by CamScanner

ब्रीफ न्यूज

175 किसानों का केसीसी ऋण स्वीकृत

पालकोट. प्रखंड सभागार में किसान क्रेडिट कार्ड ऋण शिविर लगाया गया. शिविर में बैंक ऑफ इंडिया, झारखंड ग्रामीण बैंक, झारखंड कोऑपरेटिव बैंक के शाखा प्रबंधकों के द्वारा प्रखंड के 1763 किसानों का किसान क्रेडिट कार्ड ऋण फार्म लिया गया. इसके उपरांत 175 किसानों का ऋण स्वीकृत किया गया. मौके पर सीओ रश्मि खुशबू मिंज, मोहम्मद युसूफ, दक्षिणी भाग जिला परिषद शांति देवी, नाथपुर मुखिया नेलसन सोरेंग, दक्षिणी भाग पंचायत मुखिया जसिंता मिंज, डॉक्टर अमर तिग्गा, बीटीएम विभव टोप्पो, एटीएम अकय कुजूर, कृषि पदाधिकारी नंदलाल टोप्पो, बैंक प्रबंधक सुनील कुमार वर्णवाल, अखिलेश कुमार, संजय कुमार गुप्ता, बालजय उरांव, भिखन टोप्पो, शयाम प्रसाद, अर्जुन राम, हेमंत राम, रोशन कुमार, जोन मिंज, रोहित साहू, सिकंदर सिंह, आशीष नायक समेत अन्य मौजूद थे.

Scanned by CamScanner

किनारे जिन स्थानों पर कैट्स आई नहीं
लगाया गया है. वहां अतिशीघ्र कैट्स आई लगाने का निर्देश दिया. साथ ही

एवं कॉन्वेक्स मिरर लगाने का निर्देश

जिला परिवहन कार्यालय में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. ड्रिंक एवं ड्राइव

टीम के सदस्य उपस्थित थे.

चैनपुर के 133 किसानों का किसान क्रेडिट कार्ड स्वीकृत

प्रतिनिधि, चैनपुर

प्रखंड के कौशल विकास केंद्र में किसान क्रेडिट कार्ड मेगा वितरण कैंप लगा. जिसमें प्रखंड के बैंक ऑफ इंडिया चैनपुर, सहकारिता बैंक चैनपुर, झारखंड ग्रामीण बैंक चैनपुर द्वारा स्टॉल लगाकर किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से आच्छादित किया गया. कैंप में प्रखंड के पदाधिकारी एवं जेएसएलपीएस के कर्मी उपस्थित होकर किसानों का किसान क्रेडिट कार्ड बनाने में मदद की. किसानों को समझाया गया कि किसान क्रेडिट कार्ड से नहीं डरे. प्रत्येक परिवार के हाथ में किसान क्रेडिट कार्ड होना है. किसान क्रेडिट कार्ड के रहने से आपको खेती करने में सुविधा होगी. हल जोतने वाले पशु आप खरीद सकते हैं. समय रहते आप पैसा को वापस बैंक में जमा कर दें. मेगा वितरण कैंप में 1104 आवेदन प्राप्त हुए. 133 किसानों का आवेदन स्वीकृत किया गया. शेष आवेदन जांच के उपरांत स्वीकृत किया जायेगा. मौके पर सांख्यिकी पर्यवेक्षक रामकृष्ण ओहदार, जेएसएलपीएस के डिस्टिक मैनेजर स्किल वीरेन बागवान, डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सोशल मोबिलाइजर मंसूर, प्रखंड कृषि पदाधिकारी कयामुद्दीन अंसारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक रश्मि सुरीन, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी संजय सुरीन, अल्पना खलखो, बीओआइ प्रबंधक जसमीन केरकेट्टा, ग्रामीण बैंक प्रबंधक गौतम कुमार, सहकारिता बैंक प्रबंधक राहुल कुमार, मुखिया ईश्वर खेस, मुखिया शोभा देवी, उपमुखिया तेरेसा लकड़ा सहित सभी जनसेवक, राजस्व उपनिरीक्षक व जेएसएलपीएस के कर्मी मौजूद थे.

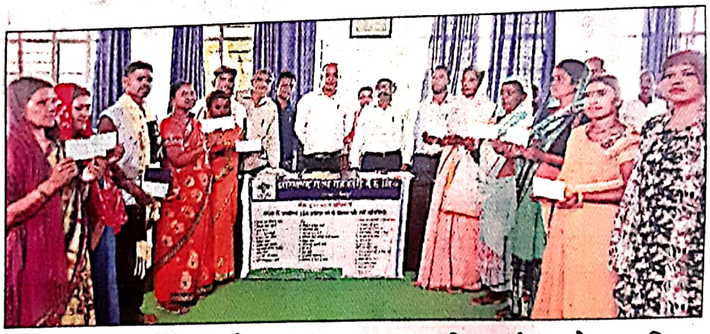

बैंक की व्यवस्था में सुधार की मांग: चैनपुर. बैंक ऑफ इंडिया चैनपुर में लोगों को हो रही समस्याओं को लेकर एसटी मोर्चा भाजपा जिला महामंत्री अनिल लोहरा ने एसडीओ को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में कहा है कि आये दिन बैंक में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. छोटे बच्चों का खाता नहीं खुलने के कारण स्कूल में एडमिशन नहीं हो पा रहा है. केवाइसी सिर्फ बुधवार के दिन होता है. बाकी दिन नहीं होता है. खाता में मोबाइल नंबर अपडेट करना हो या फिर पासबुक अपडेट कराना हो. इन सभी कामों के लिए लोगों को महीनों तक चक्कर काटना पड़ता है. निकासी सही ढंग से नहीं हो पाता है. कभी 4000 कभी 5000 पेमेंट होता है. लोगों के आवश्यकता के अनुसार बैंक पेमेंट नहीं कर पा रहा है. जिस कारण लोग निकासी के लिए कई दिन आते हैं. जैसे ही 4.00 बजता है. निकासी बंद कर दिया जाता है. जबकि अन्य बैंक में देखा गया है कि लाइन में लगे हुए सारे लोगों का भुगतान किया जाता है. लोग दूर देहात से आते हैं. आने में लोगों का 150-200 रुपया खर्च होता है. काम भी नहीं हो पाता है. दिन भर की मजदूरी भी जाता है. इस तरह आम जनता काफी परेशान हैं.

Scanned by CamScanner